



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-06052025-262930
CG-DL-E-06052025-262930

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1975]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 6, 2025/वैशाख 16, 1947

No. 1975]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 6, 2025/VAISAKHA 16, 1947

विद्युत मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 5 मई 2025

का.आ. 2019(अ).—जबकि मेसर्स चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (सीवीपीपीएल), जिसका पंजीकृत कार्यालय, चिनाब जल शक्ति भवन, सरस्वती धाम के सामने, रेल हैड परिसर, जम्मू, जम्मू व कश्मीर -180012, भारत में स्थित है, ने ट्रांसमिशन योजना “जम्मू व कश्मीर में मेसर्स चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को उसकी 1000 मेगावाट पकल दुल हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम” के तहत ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन बिछाने के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत प्राधिकृत करने हेतु आवेदन किया है।

और जबकि, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने पत्र सं. 25-17/4/2024-PG दिनांकित 29.01.2024 के द्वारा ट्रांसमिशन ट्रांसमिशन योजना “जम्मू व कश्मीर में मेसर्स चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को उसकी 1000 मेगावाट पकल दुल हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम” के अंतर्गत आने वाली ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइनों के लिए विद्युत अधिनियम की धारा 68(1) के अंतर्गत पूर्व अनुमोदन प्रदान किया था।

मेसर्स चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (सीवीपीपीएल) ने स्थानीय समाचार पत्रों दैनिक एक्सेलसियर (अंग्रेजी में) दिनांक 14.11.2024, स्टेट टाइम्स (अंग्रेजी में) दिनांक 14.11.2024, दैनिक जागरण (हिंदी में) दिनांक 14.11.2024, अमर उजाला (हिंदी में) दिनांक 14.11.2024, कश्मीर उज्ज्वा (उर्दू में) दिनांक 14.11.2024, उडान (उर्दू में) दिनांक 14.11.2024 और भारत के साप्ताहिक राजपत्र दिनांक 30.11.2024 में ट्रांसमिशन योजना के लिए प्रस्तावित

ट्रांसमिशन मार्ग पर प्रकाशन की तारीख से 2 महीने के भीतर आम जनता की टिप्पणियों / अभ्यावेदन की मांग करते हुए नोटिस प्रकाशित किया था। इसके पश्चात, मेसर्स चिनाब वैली पॉवर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (सीवीपीपीएल) ने 24.03.2025 दिनांकित एक हलफनामा प्रस्तुत किया, जिसमें घोषणा की गई है कि भारत सरकार के आधिकारिक राजपत्र एवं स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशन की तारीख से 2 महीने के भीतर कोई टिप्पणी / अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुआ था।

और अब आवेदक ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत “जम्मू व कश्मीर में मेसर्स चिनाब वैली पॉवर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को उसकी 1000 मेगावाट पकल दुल हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम” के तहत ट्रांसमिशन लाइन बिछाने के लिए उसे वे सभी शक्तियां प्रदान करने का अनुरोध किया है, जो भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत टेलीग्राफ के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा स्थापित अथवा अनुरक्षित किये गए टेलीग्राफ लाइन एवं खम्भे या इस प्रकार की स्थापना और अनुरक्षण किये जाने के लिए, टेलीग्राफ प्राधिकरण को प्राप्त हैं। योजना के अंतर्गत निम्नलिखित ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन हैं:

1. पकल दुल हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना- किश्तवाड़ (जीआईएस) (आईएसटीएस) पूलिंग स्टेशन 400 केवी डी/सी लाइन

उपरोक्त योजना के अंतर्गत ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन जम्मू व कश्मीर के निम्नांकित गाँवों, कस्बों और शहरों से होकर, उन पर से, उनके आसपास से और बीच से होकर गुज़रेगी।

क्रम स.	गाँव का नाम	तहसील	ज़िला	राज्य/ यूटी
1.	क्वार, तामरूचि, दुल (दुल), दासी, क्वाटतांजी, बंजवाड़, कैलदान, हुल्लर, बेरवार, पूही, पूहीपर, लछखजाना, लछदयाराम, पुछाल, मात्ता, सेमना, किश्तवाड़, शालामार, गछ, कुंदन, लचिल, त्रिगाम।	किश्तवाड़	किश्तवाड़	जम्मू व कश्मीर

अब, सावधानीपूर्वक विचार करने के पश्चात, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, मेसर्स चिनाब वैली पॉवर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (सीवीपीपीएल) को उपरोक्त ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन को लगाने के लिए वे सभी शक्तियां निम्नलिखित निबंधनों एवं शर्तों के साथ प्रदान करता है, जो भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत टेलीग्राफ के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा स्थापित अथवा अनुरक्षित किये गए टेलीग्राफ लाइन एवं खम्भे या इस प्रकार की स्थापना और अनुरक्षण किये जाने के लिए, टेलीग्राफ प्राधिकरण को प्राप्त हैं-

- i. यह अनुमोदन 25 वर्षों के लिए प्रदान किया जाता है।
- ii. आवेदक को प्रस्तावित लाइन की स्थापना से पूर्व संबंधित प्राधिकरणों अर्थात् स्थानीय निकायों, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग आदि की सहमति प्राप्त करनी होगी।
- iii. आवेदक को विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत समुचित आयोग के द्वारा तैयार किए गए ट्रांसमिशन, ओ एंड एम, ओपन एक्सेस आदि के विनियमों/संहिताओं का पालन करना होगा।
- iv. आवेदक केंद्र सरकार के विद्युत निरीक्षक/मुख्य विद्युत निरीक्षक के अनुमोदन के पश्चात ही लाइन का प्रचालन करेगा।
- v. यह अनुमोदन आवेदक द्वारा विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों की अपेक्षाओं का अनुपालन किए जाने के अध्वधीन है।

- vi. मेसर्स चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (सीवीपीपीएल) को विद्युत निरीक्षण के समय विमानन एवं रक्षा प्राधिकरणों इत्यादि, से अपेक्षित अनुमति को प्राप्त करने के बाद, इसे केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को विद्युत निरीक्षण के समय प्रस्तुत करना होगा।
- vii. यदि उपरोक्त ओवरहेड लाइनों का मार्ग (या उपरोक्त ओवरहेड लाइन के मार्ग का कुछ भाग) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) क्षेत्र में आता है तो आवेदक को ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) मामले के संबंध में 2019 की याचिका संख्या 838 पर माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों का और माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित तकनीकी/विशेषज्ञ समिति के निर्देशों का पालन करना होगा।

[फा. सं. 25-16/33/2025-पीजी]

एम.वी.एन. बरा प्रसाद, अवर सचिव

MINISTRY OF POWER**ORDER**

New Delhi, 5th May, 2025

S.O. 2019(E).—Whereas M/s Chenab Valley Power Projects Limited (CVPPL) having its registered address at Chenab Jal Shakti Bhavan, Opposite Saraswati Dham, Rail Head Complex, Jammu, J&K - 180012, India has applied for authorization under Section 164 of the Electricity Act, 2003 for laying of overhead transmission line under the transmission scheme “Transmission system for providing connectivity to M/s Chenab Valley Power Projects Limited for its 1000 MW Pakal Dul Hydro Electric Project in Jammu & Kashmir”.

And whereas, Ministry of Power, Government of India vide its letter No. 25-17/4/2024-PG dated 29.01.2024 had granted prior approval under section 68(1) of the Electricity Act, 2003 for the overhead line covered under the transmission scheme “Transmission system for providing connectivity to M/s Chenab Valley Power Projects Limited for its 1000 MW Pakal Dul Hydro Electric Project in Jammu & Kashmir”.

M/s Chenab Valley Power Projects Limited (CVPPL) had published notice for transmission scheme in local newspapers Daily Excelsior (in English) dated 14.11.2024, State Times (in English) dated 14.11.2024, Dainik Jagran (in Hindi) dated 14.11.2024, Amar Ujala (in Hindi) dated 14.11.2024, Kashmir Uzma (in Urdu) dated 14.11.2024, Udaan (in Urdu) dated 14.11.2024 and in Weekly Gazette of India dated 30.11.2024 for the general public to make observations/representations on the proposed transmission route within 2 Months from the date of publication. Subsequently, M/s Chenab Valley Power Projects Limited (CVPPL) has submitted an affidavit dated 24.03.2025 declaring that no observation/representation was received within 2 Months from the date of Publication in the official gazette of Government of India and newspaper publications.

And now the applicant has requested to confer upon him, all the powers under section 164 of the Electricity Act, 2003, which the telegraph authority possess under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to the placing of telegraph lines and posts for the purpose of a telegraph established or maintained by Government or to be so established or maintained for laying of electric lines under the transmission scheme “Transmission system for providing connectivity to M/s Chenab Valley Power Projects Limited for its 1000 MW Pakal Dul Hydro Electric Project in Jammu & Kashmir”. The following overhead lines are covered under this scheme:

1. Pakal Dul HEP - Kishtwar (GIS) (ISTS) Pooling Station 400 kV D/c line

The transmission lines covered under the above scheme will pass through, over, around and between the following villages, towns and cities of **J&K**.

S. No.	Name of Village	Tehsil	District	State/UT
1.	Kowar, Tamruche, Dul (Dool), Dasi, Kwartanji, Banzwar, Kaildan, Hullar, Berwar, Puh, Puhiper, Lachkhazana, Lachdayaram, Puchal, Matta, Semna, Kishtwar, Shalamar, Gach Kundan, Lachil, Trigam.	Kishtwar	Kishtwar	Jammu and Kashmir

Now, after careful consideration, Ministry of Power, Government of India, under section 164 of the Electricity Act, 2003, confers all the powers to M/s Chenab Valley Power Projects Limited (CVPPL) for laying above overhead line, which telegraph authority possesses under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to placing of telegraph

lines and posts for the purposes of a telegraph established or maintained, by Government or to be established or maintained subject to following terms and conditions for installing the above mentioned line, namely:

- i. The approval is granted for 25 years.
- ii. The Applicant shall have to seek the consent of the concerned authorities i.e., local bodies, Railways, National Highways, State Highways etc. before erection of proposed line.
- iii. The Applicant shall have to follow regulations/codes of the Appropriate Commission regarding transmission, O&M, open access, etc., framed under Electricity Act, 2003.
- iv. The Applicant shall operate the line after approval of Electrical Inspector / Chief Electrical Inspector of Central Government.
- v. The approval is subject to compliance of the requirement of the provisions of the Electricity Act, 2003 and the rules made there under by the applicant.
- vi. M/s Chenab Valley Power Projects Limited (CVPPL) shall have to submit the requisite clearances to Central Electricity Authority after obtaining the same from concerned authorities like Civil Aviation, Defense etc., at the time of Electrical Inspection.
- vii. In case, the route of above overhead lines (or some portion of the route of above overhead line) falls in the Great Indian Bustard (GIB) area, the applicant has to comply with the orders of the Hon'ble Supreme Court in the petition No.838 of 2019 regarding Great Indian Bustard (GIB) case, and the directions of the technical/expert committee constituted by the Hon'ble Supreme Court in this regard.

[F. No. 25-16/33/2025-PG]

M.V.N. VARA PRASAD, Under Secy.